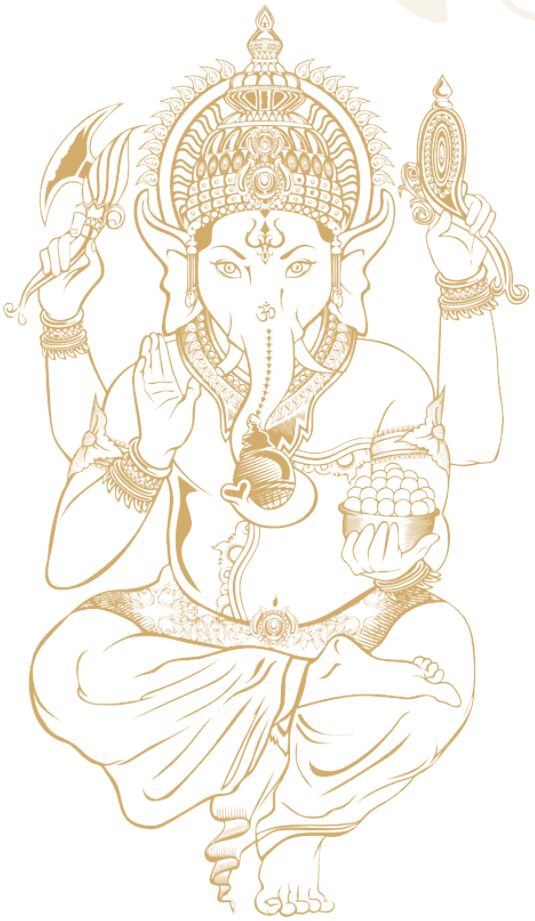

02 Jul 1991

03:30 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121353203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/07/1991**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	25:58:17 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:33:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:52 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:18 घंटे
सूर्योदय	05:06:41 घंटे
सूर्यास्त	18:53:54 घंटे
दिनमान	13:47:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:17:45 मिथुन
लग्न के अंश	01:50:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:50:17	309:54:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	16:17:45	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कुंभ	14:30:07	12:19:36	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	28:15:13	00:36:24	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध			कर्क	02:58:19	01:49:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कर्क	20:54:20	00:11:53	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	00:07:43	00:45:57	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	11:30:06	00:03:48	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	स्वराशि
राहु			धनु	25:11:56	00:01:05	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	25:11:56	00:01:05	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	18:09:43	00:02:26	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	21:47:20	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	24:00:44	00:00:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			सिंह	07:33:31	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:34

लग्न-चलित

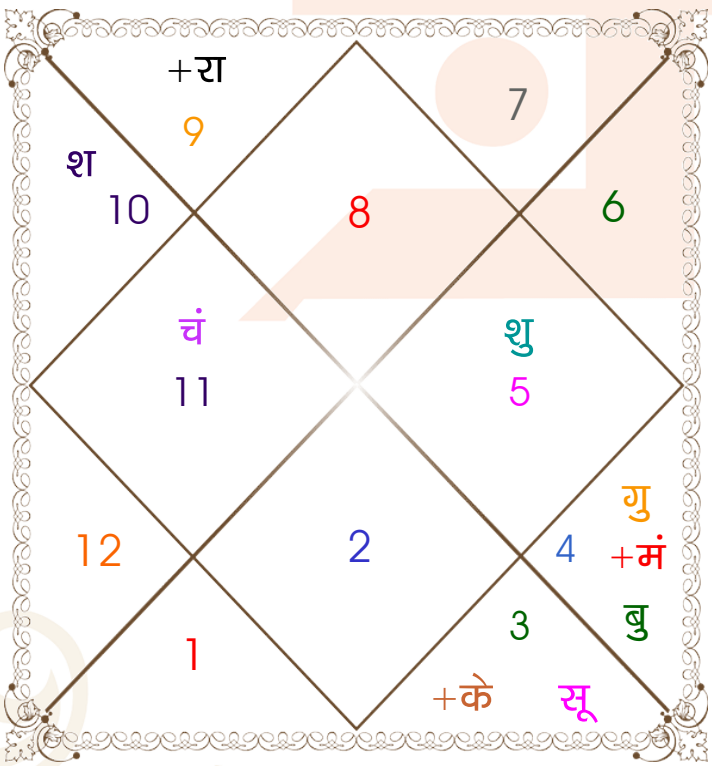

चन्द्र कुंडली

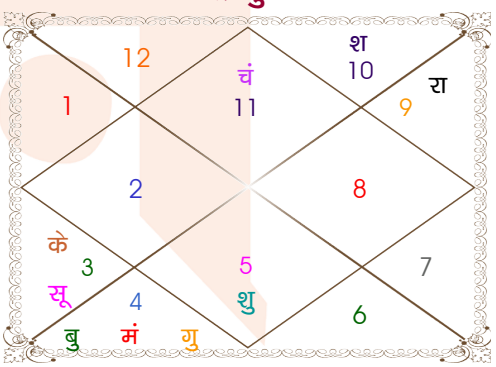

नवमांश कुंडली

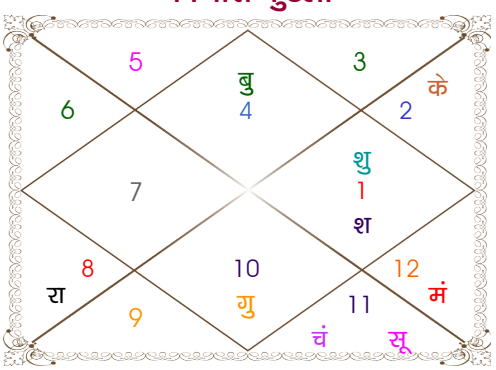

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 5 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/07/1991		03/12/1998		03/12/2014		03/12/2033		03/12/2050	
03/12/1998		03/12/2014		03/12/2033		03/12/2050		03/12/2057	
	00/00/0000	गुरु	20/01/2001	शनि	06/12/2017	बुध	01/05/2036	केतु	01/05/2051
	00/00/0000	शनि	04/08/2003	बुध	15/08/2020	केतु	28/04/2037	शुक्र	30/06/2052
	00/00/0000	बुध	09/11/2005	केतु	24/09/2021	शुक्र	27/02/2040	सूर्य	05/11/2052
	02/07/1991	केतु	15/10/2006	शुक्र	23/11/2024	सूर्य	02/01/2041	चंद्र	06/06/2053
केतु	21/06/1992	शुक्र	15/06/2009	सूर्य	05/11/2025	चंद्र	04/06/2042	मंगल	02/11/2053
शुक्र	22/06/1995	सूर्य	04/04/2010	चंद्र	07/06/2027	मंगल	01/06/2043	राहु	21/11/2054
सूर्य	16/05/1996	चंद्र	04/08/2011	मंगल	16/07/2028	राहु	18/12/2045	गुरु	28/10/2055
चंद्र	15/11/1997	मंगल	10/07/2012	राहु	23/05/2031	गुरु	25/03/2048	शनि	06/12/2056
मंगल	03/12/1998	राहु	03/12/2014	गुरु	03/12/2033	शनि	03/12/2050	बुध	03/12/2057

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/12/2057		03/12/2077		03/12/2083		03/12/2093		04/12/2100	
03/12/2077		03/12/2083		03/12/2093		04/12/2100		00/00/0000	
शुक्र	03/04/2061	सूर्य	22/03/2078	चंद्र	03/10/2084	मंगल	01/05/2094	राहु	17/08/2103
सूर्य	04/04/2062	चंद्र	21/09/2078	मंगल	04/05/2085	राहु	20/05/2095	गुरु	09/01/2106
चंद्र	03/12/2063	मंगल	27/01/2079	राहु	03/11/2086	गुरु	24/04/2096	शनि	15/11/2108
मंगल	02/02/2065	राहु	22/12/2079	गुरु	04/03/2088	शनि	03/06/2097	बुध	05/06/2111
राहु	02/02/2068	गुरु	09/10/2080	शनि	03/10/2089	बुध	31/05/2098	केतु	03/07/2111
गुरु	03/10/2070	शनि	21/09/2081	बुध	04/03/2091	केतु	28/10/2098		00/00/0000
शनि	03/12/2073	बुध	28/07/2082	केतु	04/10/2091	शुक्र	28/12/2099		00/00/0000
बुध	03/10/2076	केतु	03/12/2082	शुक्र	03/06/2093	सूर्य	05/05/2100		00/00/0000
केतु	03/12/2077	शुक्र	03/12/2083	सूर्य	03/12/2093	चंद्र	04/12/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 4 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।